संपादकीय

मराठा आरक्षण का सवाल

आवश्यकता इस बात की है कि आर्थिक एवं शैक्षिक पिछड़ेपन की समस्या को आरक्षण के विमर्श से बाहर निकाला जाए। तभी मसले के सही कारणों की पहचान होगी और कारगर समाधान पर चर्चा करना संभव हो पाएगा। क्या इसका साहस कोई दल दिखाएगा?

महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण का सवाल फिर गरमा गया है। जालना में आरक्षण समर्थकों पर पुलिस कार्रवाई के बाद सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी पर दबाव इतना बढ़ा कि गृह मंत्री देवेंद्र फड़णवीस को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी पड़ी। जाहिर है, जिस समय चुनाव सिर पर हैं, भाजपा सामाजिक और राजनीतिक रूप से प्रभावशाली मराठा समुदाय को नाराज नहीं रखना चाहती। दूसरी तरफ विपक्षी दल इस समुदाय की भावनाओं को हवा देने में कोई कसर नहीं बरत रहे हैं। मगर मुद्दा यह है कि जब सुप्रीम कोर्ट ने मराठा आरक्षण को अवैध ठहरा दिया है, तो फिर कोई सरकार इस समुदाय की मांग को कैसे पूरा करेगी? यह मसला नया नहीं है। तकरीबन चार दशक से मराठा आरक्षण की मांग चुनाव से ठीक पहले जोर पकड़ती है। दोनों पक्ष की सरकारों ने आरक्षण देने के निर्णय भी किए, जो न्यायिक परीक्षण में टिक नहीं सके। मराठा समुदाय के प्रभाव का हाल यह है कि महाराष्ट्र में आज तक बने 20 मुख्यमत्रियों में से 12 इस समुदाय से आए हैं।

जहां तक आबादी बढ़ने के साथ जमीन विभाजित होने और शैक्षिक स्तर पर आम मराठा व्यक्तियों के पिछड़े होने की बात है, तो इस समस्या से कोई बचा हुआ नहीं है। लेकिन आरक्षण इस समस्या का समाधान है, यह मानने का कोई तर्क नहीं हो सकता। जिस समस्या की जड़ें आर्थिक व्यवस्था और विकास नीति से जुड़ी हुई हैं, उनका सामाजिक समाधान ढूंढने की कोशिश निरर्थक है। मगर ऐसे समाधान से सिर्फ भावनाओं को संतुष्ट किया जा सकता है, लेकिन कथित पिछड़ेपन को दूर नहीं किया जा सकता। मगर वोट की राजनीति में सियासी पार्टियों के लिए भावनाओं को संतुष्ट करना एक महत्त्वपूर्ण दांव होता है। इसलिए वर्तमान केंद्र सरकार ने सवर्ण जातियों के लिए भी आरक्षण की व्यवस्था कर दी, हालाकि उसे आर्थिक रूप से पिछड़ों के लिए आरक्षण बताया गया। बहरहाल, आवश्यकता इस बात की है कि आर्थिक एवं शैक्षिक पिछड़ेपन की समस्या को आरक्षण के विमर्श से बाहर निकाला जाए। तभी मसले के सही कारणों की पहचान होगी और कारगर समाधान पर चर्चा करना संभव हो पाएगा। क्या इसका साहस कोई दल दिखाएगा?

वर्ल्ड कप 2023 के लिए अंपायर्स-रेफरी का ऐलान, एलीट पैनल में नितिन मेनन और जवागल श्रीनाथ शामिल

दुबई । आईसीसी अंपायरों के एलीट पैनल में शामिल नितिन मेनन और मैच रेफरी के एलीट पैनल के सदस्य जवागल श्रीनाथ आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 के लीग चरण के लिए 20 मैच अधिकारियों में शामिल हैं। इस मेगा टूर्नामेंट के लीग चरण में 16 अंपायर अंपायरिंग करेंगे, जिसमें इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के एमिरेट्स एलीट पैनल के सभी 12 अंपायर और आईसीसी इमर्जिंग अंपायर पैनल के चार सदस्य शामिल हैं।

आईसीसी अंपायरों के 12 एलीट पैनल हैं: क्रिस्टोफर गैफनी (न्यूजीलैंड), कुमार धर्मसेना (श्रीलंका), मराइस इरस्मस (दक्षिण अफ्रीका), माइकल गॉफ (इंग्लैंड), नितिन मेनन (भारत), पॉल रीफेल (ऑस्ट्रेलिया), रिचर्ड इलिंगवर्थ (इंग्लैंड), रिचर्ड केटलबोरो (इंग्लैंड), रॉडनी टकर (ऑस्ट्रेलिया), जोएल विल्सन (वेस्टइंडीज), अहसान रज़ा (पाकिस्तान), और एड्रियन होल्डस्टॉक (दक्षिण अफ्रीका)।

आईसीसी इमर्जिंग अंपायर पैनल के बाकी के चार अंपायर शरफुद्दौला इब्ने शाहिद (बांग्लादेश), पॉल विल्सन (ऑस्ट्रेलिया), एलेक्स व्हार्फ (इंग्लैंड) और क्रिस ब्राउन (न्यूजीलैंड) हैं। अनुभवी सूची में लॉर्ड्स में आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2019 फाइनल के लिए नियुक्त किए गए चार अंपायरों में से तीन कुमार धर्मसेना, मराइस इरस्मस और रॉड टकर शामिल हैं।

इस आयोजन में मैच रेफरी के आईसीसी एलीट पैनल में; एंडी पाइक्रॉफ्ट (जिम्बाब्वे), रिची रिचर्डसन (वेस्टइंडीज), जेफ क्रो (न्यूजीलैंड) और जवागल श्रीनाथ (भारत) शामिल हैं। श्रीनाथ, 5 अक्टूबर को अहमदाबाद में पिछले साल की फाइनलिस्ट इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच टूर्नामेंट के पहले मैच की जिम्मेदारी संभालेंगे। मेनन और धर्मसेना स्थायी अंपायर होंगे, पॉल विल्सन टीवी अंपायर होंगे और सैकत चौथे अंपायर की भूमिका निभाएंगे।

एक विज्ञप्ति में कहा गया, पूरे लीग सेगमेंट के लिए अधिकारियों की घोषणा कर दी गई है, साथ ही टूर्नामेंट के सेमीफाइनल और फाइनल के चयन की घोषणा भी उचित समय पर की जाएगी।

आईसीसी के क्रिकेट महाप्रबंधक वसीम खान ने कहा, इतने बड़े आयोजन को अंजाम देने के लिए आपको हर स्तर पर उच्च प्रदर्शन करने वाले व्यक्तियों की आवश्यकता होती है। अंपायरों, रेफरी और इसमें शामिल अंपायरों के उभरते समूह का आईसीसी एलीट पैनल इस विश्व कप में अपार कौशल, अनुभव और विश्व स्तरीय मानक लाएगा। हम उस समूह से खुश हैं, जिसे हमने इस टूर्नामेंट के लिए इक_ा किया है।

आईसीसी अंपायर और रेफरी के प्रबंधक सीन ईजी ने कहा, यह समूह दुनिया भर से सर्वश्रेष्ठ है और एक चुनौतीपूर्ण काम करने के लिए तैयार हैं, वैश्विक क्रिकेट समुदाय की नजरें इस आयोजन पर टिकी हुई हैं। हमें विश्वास है कि वो अपनी जिम्मेदारी अच्छे से निभाएंगे।

विकसित देश बनने के लिए 2047 तक 8-9 प्रतिशत की औसत वृद्धि दर जरूरी : डेलॉयट

नईदिल्ली। भारत को 2047 तक विकसित देश बनने के लिए अगले 20 वर्षों तक 8-9 प्रतिशत की दर से बढने की जरूरत है। डेलॉयट दक्षिण एशिया के सीईओ रोमल शेट्टी ने यह बात कही।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाने की दिशा में काम करने का आह्वान किया है।

शेट्टी ने कहा कि भारत को 'चीन प्लस वन' रणनीति से फायदा मिल सकता है, क्योंकि कोई दूसरा देश इस तरह के परिचालन के पैमाने और आकार की पेशकश नहीं कर सकता, जैसा यहां उपलब्ध है।

अंतरिक्ष क्षेत्र का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत में पहले ही 200 स्टार्टअप हैं और यहां 2040 तक 100 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश आ सकता है।

शेट्टी ने बताया, हमें एक विकसित अर्थव्यवस्था बनने के लिए कम से कम 2047 तक 8-9 प्रतिशत की दर से बढने की जरूरत हैज् मध्यम आय स्तर से आगे बढना होगाज् इस गति से वृद्धि आसान नहीं है। दुनिया में बहुत कम देश ऐसे हैं, जो सालाना 8-9 प्रतिशत की गति से बढने में सक्षम हैं।

मोदी ने हाल ही में कहा था कि भारत निकट भविष्य में शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में होगा। उन्होंने कहा था, मुझे यकीन है कि 2047 तक हमारा देश विकसित देशों में होगा। हमारी अर्थव्यवस्था और भी अधिक समावेशी होगी।

भारत इस समय अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी के बाद दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

शुभंकर शर्मा को आयरिश ओपन के पहले दौर में एकल बढ़त

किल्डारे (आयरलैंड)। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा ने 2023 का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए सात अंडर 65 का शानदार स्कोर बनाया, जिससे उन्होंने आयरिश ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के पहले दौर के बाद एकल बढ़त हासिल की।

शुभंकर ने एक ईगल और पांच बर्डी जमाई और इस बीच कोई बोगी नहीं की। वह अभी तक इस साल दो प्रतियोगिताओं में शीर्ष 10 में शामिल रहे हैं।

यह 27 वर्षीय खिलाड़ी ' रेस टू दुबई' में अभी 65वें स्थान पर है और दुबई में नवंबर में होने वाले सत्र के आखिरी टूर्नामेंट डीपी वर्ल्ड टूर चैंपियनशिप में जगह बनाने के लिए उन्हें शीर्ष 50 में जगह बनानी होगी।

आयरिश ओपन में खेल रहे एक अन्य भारतीय मनु गंडास ने पहले दौर में एक ओवर 73 का कार्ड खेला और वह संयुक्त 104वें स्थान पर हैं। उन्हें कट में जगह बनाने के लिए दूसरे दौर में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

हेल्थकेयर सर्विस देने वाली कंपनी का आ रहा आईपीओ

0 12 सितंबर तक लगा सकते हैं पैसे

नईदिल्ली । हेल्थकेयर सर्विसेज देने वाली कंपनी यूनीहेल्थ कंसल्टेंसी का आईपीओ आज यानी 8 सितंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया है। इसकी आईपीओ में निवेश करने की आखिरी तारीख अगले हफ्ते के मंगलवार यानी 12 सितंबर है।

इस आईपीओ को लेकर ग्रे मार्केट के रुझान की बात करें, तो इस एसएमई कंपनी के शेयर ग्रे मार्केट में 30 रुपये यानी 22.73 फीसदी की जीएमपी (ग्रे मार्केट प्रीमियम) पर ट्रेड हो रहे हैं। हालांकि बिजनेस स्टैंडर्ड और मार्केट एक्सपर्ट्स ये सलाह देते हैं कि किसी भी निवेश के पहले ग्रे मार्केट से अधिक कंपनी के फंडामेंटल्स और फाइनेंशियल्स का आंकलन करना बेहद जरूरी है।

इस आईपीओ के तहत 126-132 रुपये के प्राइस बैंड और 1000 शेयरों के लॉट में पैसे लगा सकते हैं। आईपीओ की सफलता के बाद इसके शेयरों की एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर एंट्री होगी। शेयरों का अलॉटमेंट 15 सितंबर को फाइनल होगा और एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म एनएसई एसएमई पर 21 सितंबर को एंट्री होगी। इस इश्यू के तहत 10 रुपये की फेस वैल्यू वाले 42.84 लाख नए शेयरों की बिक्री होगी।

यूनीहेल्थ कंसल्टेंसी मुंबई में स्थित है और इसका कारोबार भारत के अलावा अफ्रीका के भी कई देशों में फैला हुआ है। यह मेडिटल सेंटर, हॉस्पिटल, कंसल्टेंसी सर्विसेज, दवाईयों और मेडिकल वैल्यू ट्रैवल जैसे बिजनेस सेगमेंट में है। कंपनी के क्लाइंट्स की बात करें तो कंपनी से मिली जानकारी कि मुताबि इसके क्लाइंट्स भारत के अलावा युगांडा, नाइजीरिया, तंजानिया, केन्या, जिम्बाब्वे, अंगोला, इथियोपिया, मोजांबिक और कांगो से हैं। कंपनी के फाइनेंसियल हेल्थ की बात करें तो बीते साल कंपनी का शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 101 फीसदी बढक़र 7.68 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस दौरान रेवेन्यू भी 21 फीसदी उछलकर 46.03 करोड़ रुपये पर पहुंचा।

चीन-अमेरिका के ट्रेड वॉर के बीच लुढ़का ऐप्पल का शेयर

नईदिल्ली। एप्पल के फोन को लेकर चीन और अमेरिका के बीच चल रहा ट्रेड वॉर थमने का नाम नहीं ले रहा। इसके चलते एप्पल शेयर पर असर पड़ा है, लगातार तीसरे दिन शेयर गिरावट पर हैं। आज यानी शुक्रवार को दोपहर तक 2.92 फीसदी की गिरावट पर देखा गया। गुरुवार को स्टॉक में लगातार दूसरे दिन की गिरावट देखी गई। गुरुवार को ऐप्पल का स्टॉक 3 फीसदी लुढ़का था।

कंपनी के शेयर में ये कमजोरी चीन की एक खबर से जुड़ी है। दरअसर, हाल ही में खबर आई की चीन ने अपने देश में सरकारी कर्मचारियों के द्वारा आईफोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाया है। हालांकि इस बारे में कोई आधिकारिक जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। बता दें, अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वॉर लंबे समय से जारी है। इसी वॉर के बीच चीन के आईफोन पर बैन लगाने के कदम से आशंका तेज हो गई है कि ऐप्पल के एक बड़े मार्केट में ऐसे प्रतिबंध उसकी आय पर नकारात्मक असर डाल सकते हैं।

आज जहां स्टॉक 2.92 फीसदी की गिरावट पर हैं वहीं गुरुवार को एप्पल शेयर 3 फीसदी गिरे। इससे पहले बुधवार को भी स्टॉक में 4 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। दरअसल ऐसी कई खबरें सामने आई हैं जिसके मुताबिक चीन के सरकारी कर्मचारी आईफोन का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे हालांकि इन प्रतिबंधों का ऐलान नहीं किया गया है। खबरों के मुताबिक चीन की सरकार ने अपने कर्मचारियों से कहा है कि वो ऑफिस में आईफोन का इस्तेमाल नहीं कर सकते और न ही उन्हें ऑफिस में लेकर आ सकते हैं।

खबरों की मानें तो चीन ऐसा कदम अमेरिका के द्वारा चीन की कंपनियों पर लगाए गए प्रतिबंध के बाद उठा रहा है। गौरतलब है कि हुवाई को साल 2019 में अमेरिका ने बैन लिस्ट में रखा था। अमेरिका को आशंका थी की हुवाई के रास्ते चीन अमेरिकी कम्युनिकेशंस में पहुंच बना सकता है।

बता दें, चीन के हॉन्गकॉन्ग और ताइवान, एप्पल का तीसरा सबसे बड़ा बाजार है। यही वजह है कि ऐप्पल पर बैन की खबरों के बाद से स्टॉक में गिरावट देखने को मिल रही है।

बाजार में निवेशकों का बढ़ा भरोसा, अगस्त महीने में सबसे ज्यादा खोले गए डीमैट खाते

नईदिल्ली। बीते महीने यानी अगस्त में देश में निवेशकों ने जमकर डीमैट खाते खोले हैं। अगस्त में 19 महीनों में सबसे ज्यादा नये डीमैट खाते खोले गये। सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विस और नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी के आंकड़ों पर नजर डालें तो, बीते महीने 31 लाख डीमैट खाते खोले गये।

जो कि जनवरी 2022 के बाद से खाता खुलने की सबसे अधिक संख्या है। कुल डीमैट टेली 12.66 करोड़ को पार कर गई। जो इसके एक महीने पहले की संख्या से 2.51 प्रतिशत और एक साल पहले से 25.83 प्रतिशत अधिक है।

अगर भारत के बेंचमार्क इंडेक्सेस सेंसेक्स और निफ्टी की बात करें को बीते महीने यानी अगस्त में लगभग 2.5 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। जबकि ब्रॉडर मार्केट बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप में क्रमश: 2.6 प्रतिशत और 6.1 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है।

अगस्त में निवेशकों ने अंडरवैल्यूड स्टॉक्स पर फोकस दिखाया। मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्सेस में भागीदारी और ट्रेडिंग वॉल्यूम में बढ़त देखी गई। दोनों इंडेक्स अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए हैं।

कुछ एक्सपर्ट्स का मानना है कि आईपीओ लिस्टिंग में भी उछाल देखने को मिला। आईपीओ ने लगभग 35 प्रतिशत से 40 प्रतिशत का औसत रिटर्न दिया। इसके अलावा, म्यूचुअल फंड ने बेंचमार्क इंडेक्सेस से बेहतर प्रदर्शन किया है। जिससे शेयर बाजार के प्रति लोगों की रुचि में इजाफा देखने को मिला।

दिमाग तेज करने के लिए खाएं ये चीजें

हम सभी जानते हैं कि एक तेज और सक्रिय दिमाग हमारे जीवन की सफलता का आधार है. चाहे वो पढ़ाई हो या नौकरी, हर जगह एक मजबूत दिमाग की आवश्यकता होती है.आज हम उन चीजों के बारे में बात करेंगे जो हमारे दिमाग को तेज और निरोगी बनाती हैं.आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में हमारा दिमाग काफी दबाव में रहता है. इसलिए जरूरी है कि हम अपने दिमाग का विशेष ध्यान रखें और उसे स्वस्थ बनाए रखने के लिए कुछ जरूरी कदम उठाएं.

आज हम उन सभी उपायों और आहारों के बारे में बात करेंगे जो हमारे दिमाग को मजबूत बनाने में मदद करते हैं. एक स्वस्थ दिमाग न केवल हमारे काम को बेहतर बनाता है बल्कि हमारे जीवन की क्वालिटी भी सुधारता है. आइए जानते हैं एक तेज और स्वस्थ दिमाग के लिए क्या खाना जरूरी है...

अखरोट

अखरोट में ओमेगा-3 फैटी एसिड, विटामिन ई और एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे तत्व होते हैं जो दिमाग के स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं. अखरोट खाने से ध्यान देने और समझने की क्षमता बढ़ती है. लेकिन इसे नियमित रूप से और सीमित मात्रा में खाना चाहिए. अधिक मात्रा में अखरोट खाने से वजन बढ़ सकता है.

अंडा

अंडे में प्रोटीन, विटामिन बी12 और कोलीन जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो दिमाग के विकास और कार्य के लिए बहुत लाभदायक होते हैं. अंडे सर्दी में पाए जाने वाला कोलीन न्यूरोट्रांसमीटर के रूप में कार्य करता है जो मस्तिष्क की कोशिकाओं के बीच संवाद को बेहतर बनाता है. प्रोटीन दिमाग कोशिकाओं के विकास और मरम्मत के लिए जरूरी होता है. ऐसे अंडा दिमाग के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है.

विटामिन बी12 स्मृति और ध्यान केंद्रित करने में मदद करता है. इसलिए नियमित रूप से अंडा खाने से दिमाग तेज और फोकस करने में मदद मिल सकती है. लेकिन अत्यधिक मात्रा में अंडे खाने से कोलेस्ट्रॉल बढ़ सकता है, इसलिए संतुलन बनाए रखना चाहिए.

मछली

मछली में ओमेगा-3 फैटी एसिड पाया जाता है जो दिमाग के लिए बहुत ही लाभदायक होता है. यह मस्तिष्क की कोशिकाओं के विकास और कार्यक्षमता में सुधार करता है.मछली में विटामिन बी12, आयोडीन और जिंक जैसे पोषक तत्व भी पाए जाते हैं जो दिमाग के स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी होते हैं मछली में प्रोटीन और अमीनो एसिड की अच्छी मात्रा होती है जो मस्तिष्क के कार्यों के लिए आवश्यक होते हैं. मछली खाने से मेमोरी और फोकस करने की क्षमता बेहतर होती है. इसलिए सप्ताह में 2-3 बार मछली खाना दिमाग के स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद है.

हल्दी

हल्दी में पाए जाने वाले एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुणों के कारण दिमाग में सूजन कम करता है. हल्दी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट मस्तिष्क की कोशिकाओं को नुकसान से बचाते हैं. यह ब्लड फ्लो और ऑक्सीजन सप्लाई बढ़ाकर मस्तिष्क को ऊर्जा देता है. हल्दी से मेमोरी पावर और फोकसिंग अबिलिटी भी बेहतर होती है. इसलिए खाने में हल्दी शामिल करना दिमाग के लिए बहुत फायदेमंद होता है.

अक्षय कुमार की मिशन रानीगंज का टीजर जारी, 6 अक्टूबर को दर्शकों के बीच आएगी फिल्म

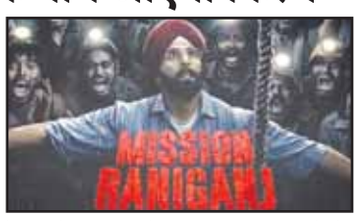

मिशन रानीगंज एक अपकमिंग बॉलीवुड फिल्म है, जोकि सर्वाइवल थ्रिलर है. फिल्म को तिनु सुरेश देसाई ने निर्देशित किया है और पूजा एंटरटेनमेंटने प्रोड्यूस किया है. फिल्म में प्रमुख भूमिका में अक्षय कुमार और परिणीति चोपड़ा दिखाई देंगे. साथ ही फिल्म का मोशन पोस्टर जारी कर दिया गया है जोकि काफी इंटेंस लग रहा है. यह फिल्म 6 अक्टूबर 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

मिशन रानीगंज फिल्म का प्रमुख कथा रानीगंज कोलफील्ड में हुए एक वास्तविक घटना पर आधारित है और इसमें अक्षय कुमार प्रमुख भूमिका में हैं, जो कोयला खदान में एक रेस्क्यू ऑपरेशन का हिस्सा बनते हैं. फिल्म की डिटेल्स और मोशन पोस्टर से यह स्पष्ट होता है कि फिल्म एक उत्कृष्ट सर्वाइवल थ्रिलर के रूप में प्रस्तुत की जा रही है, जिसमें दर्दनाक परिस्थितियों में अक्षय कुमार की ब्रेवरी और जीवन की खतरों से भरपूर कहानी दिखाई जाएगी.

शब्द सामर्थ्य- 179

बाएं से दाएं

1. तकलीफ, कष्ट, कठिनाई, परेशानी 3. सरल, सहज 6. ज्ञान प्राप्त करना, शिक्षा लेना 7. विवश, लाचार 8. अत्यधिक ठंडा, सुस्त 9. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 11. सूर्य, सूरज 13. वस्त्र आदि धारण कराना 15. अप्रसन्न, नाखुश 16. खिंचाव, आकर्षण शक्ति (उ.) 18. एक रंग, आसमानी रंग 22. सेवा-सत्कार, आवभगत 23. सर्प, सांप, लकड़ी आदि की मूर्ति बनाना।

ऊपर से नीचे

1. हृदर, उर 2. शिष्टता, भद्रता, विवेक (उ.) 3. अंततः, अंततोगत्वा 4. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 5. आवागमन, गमनागमन 7. पुरुष 8. घोड़े की तेज चाल, तेज गति की दौड़ 10. लूटपाट, डकैती 12. बबार्दी, तबाही 14. नासिका, श्वसनइंद्रीय 17. आखेटक, अरेही 19. योग्य, काबिल 20. कामदेव की पत्नी, प्रेम, आनंद 21. रात्रि, निशा।

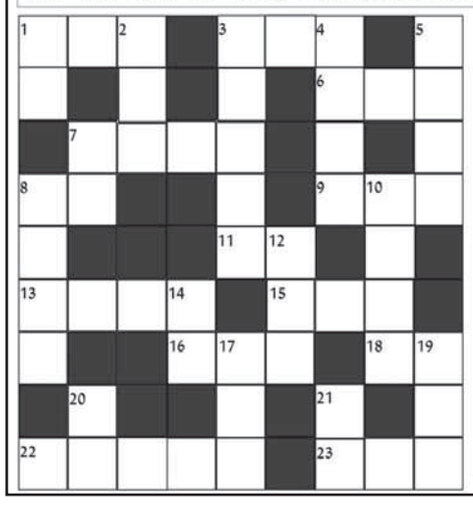

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 178 का हल

चु	स्त	■	मु	■	सं	स्था	न	■
ग	■	म	र्दा	न	गी	■	त	म
ली	प	ना	■	■	त	न	■	■
■	ना	ना	■	■	■	■	ज	■
मा	ह	■	रा	■	सा	ज	न	■
न	■	स	ह	दे	व	■	म	द
व	■	म	■	व	न	ज	■	ल
ता	क	त	व	र	■	मी	■	द
■	ल	ल	क	■	क	र	त	ल

सू-दोकू- 179

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.178 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

आज का राशिफल

मेष: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपको जिम्मेदारी भरा काम मिल सकता है। काम करने में कुछ चुनौतियां आएंगी लेकिन आप किसी कलीग की मदद से पूरा कर लेंगे।

वृष: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आपको संतान की तरफ से कोई खुशखबरी मिलेगी। साथ ही आप उनके करियर को और बेहतर बनाने के लिए गुरु विचार विमर्श करेंगे।

मिथुन: आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आपको धैर्य से काम करने की जरूरत है कुछ लोग आपके कार्यों में रुकावट डालने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन आपकी बुधिमत्ता के आगे उनका कोई जोर नहीं चलेगा।

कर्क: आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपके बिजनेस में किए गए बदलाव से आपको अच्छी इनकम होगी। आपको उधार के लेन-देन को अवॉयड करने की जरूरत है।

सिंह: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आपको जमीन-जायदाद से जुड़े मामलों में जीत मिलेगी, घर में ख़ुशी का माहौल बनेगा। अपने ईगो को छोडक़र दूसरों की सलाह पर अमल करने की जरूरत है।

कन्या: आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। आपको इनकम का नया सोर्स मिलेगा लेकिन साथ ही आपके खर्चों में भी बढ़ोत्तरी हो सकती है। कहीं जाते समय आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से होगी, जिससे आगे चलकर आपकी अच्छी दोस्ती हो सकती है।

तुला: आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। ससुराल पक्ष से कोई खुशखबरी मिल सकती है, जिससे पूरे दिन आपके चेहरे पर मुस्कान बनी रहेगी। आपकी मेहनत करने की क्षमता को देखकर माता-पिता आप पर गर्व महसूस करेंगे।

वृश्चिक: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आप किसी मित्र की उपलब्धियों का जश्न मनाएंगे। किसी कोर्ट केस में जीत हासिल होने से पूरे दिन आप प्रसन्न रहेंगे। घर में डेकोरेशन का काम करवाने का विचार बनाएंगे, जीवनसाथी से राय लेंगे।

धनु: आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आप बेवजह की भाग-दौड़ को अवॉयड करेंगे और अपने काम को पूरी एकाग्रता से करेंगे। घर में बेटी की बड़ी तरक्की से परिवार का माहौल ख़ुशी से भरा रहेगा।

मकर: आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। ऑफिस में स्टाफ के साथ अच्छे व्यवहार बना कर रखें, जिससे किसी जरूरी काम में आपको हर संभव मदद मिलती रहे। परिवार में किसी नन्हे मेहमान के आने से ख़ुशी का माहौल बना रहेगा।

कुंभ: आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आपको किसी सम्मानित व्यक्ति से मिलने का मौका मिलेगा। इस राशि के प्रॉपर्टी डीलर के लिए आज का दिन धनलाभ देने वाला है।

मीन: आज का दिन आपके लिए खास रहने वाला है। किसी रिश्तेदार के आने से आपकी डेली रूटीन में कुछ बदलाव हो सकता है लेकिन साथ ही घरवालों में उल्लास भी बना रहेगा। अपने उच्चाधिकारी के सामने बात रखने परपॉजिटिव रिस्पॉन्स मिलेगा।